दैं. स्वदेश, भोपाल 21 JUN 2008

अब तो केंद्र ने भी की मप्र की सराहना

अनेक कार्यक्रमों में प्रदेश को अव्वल माना

विशेष प्रतिनिधि

भोपाल : मप्र सरकार राजनीतिक मोर्चों पर जरूर मुश्किलों में फंसती रही है परंतु विकास की योजनाओं में अपनी कार्यकुशलता को प्रदेश ने साबित किया है। भारत निर्माण के एक विज्ञापन में केंद्र ने भी केंद्रीय कार्यक्रमों में प्रदेश में हुए क्रियान्वयन की जी खोल के प्रशंसा की है, हालांकि अब कोशिश केवल श्रेय हासिल करने की होगी। राज्यों में चलने वाली अनेक योजनाएं केंद्र की ही होती हैं, और केंद्र इन योजनाओं हेतु समस्त राज्य सरकारों को राशि उपलब्ध कराता है। योजनाओं का क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक राशि का खर्च कर उन योजनाओं को अमलीजामा पहनाने का प्रदेश सरकार का कार्य होता है। मप्र में केंद्रीय कार्यक्रम की उपलब्धियां बताता विज्ञापन कहीं न कहीं यह संदेश दे रहा है कि प्रदेश में केंद्रीय योजनाओं में अच्छा काम हुआ है। राष्ट्रीय ग्रामीण योजनाओं में 42 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध, राज्य की रोजगार गारंटी योजना के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। क्योंकि इस योजना का क्रियान्वयन राज्य के कलेक्टर एवं जिला पंचायत के अधिकारियों द्वारा ही कराया जाता है।

■ भारत निर्माण में प्रदेश की भूमिका श्रेष्ठ

ग्रामीण सड़कों में प्रदेश की उपलब्धि जग जाहिर है, सिंचाई, जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण मिशन में नगरीय प्रशासन विभाग, स्वास्थ्य मिशन में 10 लाख से अधिक लोगों को लाभन्वित करने में स्वास्थ्य विभाग, पोषण आहार में महिला बाल विकास, सर्वशिक्षा अभियान में शिक्षा विभाग, ग्रामीण विद्युतीकरण में ऊर्जा एवं अन्य कार्यक्रमों में राज्य के कार्यों को दर्शाना केंद्र के साथ ही राज्य के विभागों की महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। इस विज्ञापन से कांग्रेस के नेता जो कि प्रदेश में केंद्रीय योजनाओं के ठीक क्रियान्वयन न होने का शिकवा शिकायत कर रहे वे उनकी स्थिति असमंजस भरी हो गई है। केंद्र और राज्य के आपसी सामंजस्य एवं संबंधों पर प्रारंभ से ही खींचतान चलती रहती है, राज्य द्वारा केंद्र से राशि की मांग एवं केंद्र द्वारा उनकी योजनाओं में दी जाने वाली राशि का ठीक क्रियान्वयन न होने की दुहाई बार-बार दी जाती है। केंद्र जब भी अपनी उपलब्धियों का किसी राज्य में बखान करती है तो उसमें उस राज्य की प्रशंसा अपने आप जुड़ जाती है। यही स्थिति प्रदेश में इस समय उत्पन्न हुई है। प्रदेश में चुनाव निकट है और ऐसे समय जब दोनों ही दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप की बारिश कर रहे हैं, यह विज्ञापन राज्य के लिए राहत का संदेशा लेते हुए आया है। प्रदेश के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि केंद्र सरकार के जब कार्यक्रम समस्त राज्यों में समान रूप से लागू किए जाते हैं, केवल कुछ विशेष पैकेजों को छोड़कर ऐसी स्थिति जब दोनों जगह विपरीत दलों की सरकार हो इस प्रकार का संदेश प्रदेश की दृष्टि से अच्छा है, अब यह प्रदेश के विवेका पर निर्भर करता है कि वो इससे अपने पक्ष में कितना वातावरण निर्मित कर सकती है। अजा अयोग के आरोपों के बीच इस प्रकार के आंकड़े राज्य को फिलहाल संतुष्टि प्रदान करने में अएवं अपनी उपलब्धियों को जनता के सामने रखने में तो यह विज्ञापन मदद कर ही सकता है।